मैं मंदिर तुम्हारा सजता रहूँगा | By Sunny Hari

मैं मंदिर तुम्हारा सजाता रहूँगा
जो हैं कर्म अपना निभाता रहूँगा

चमकता रहे बाबा दरबार तेरा
मैं श्रद्धा से दीपक जलाता रहूँगा
मैं मंदिर तुम्हारा सजाता रहूँगा

दिलों में दया की जला देना बाती
दिलों से दिलों को मिलाता रहूँगा
मैं मंदिर तुम्हारा सजाता रहूँगा

मैं मंदिर तुम्हारा सजाता रहूँगा
जो हैं कर्म अपना निभाता रहूँगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%9c%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b0/